ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 23-06-2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-06-23 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-06-24	2023-06-25	2023-06-26	2023-06-27	2023-06-28
वर्षा (मिमी)	5.0	25.0	35.0	40.0	10.0
अधिकतम तापमान(से.)	37.0	35.0	34.0	30.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	24.0	24.0	24.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	80	90	90	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	45	50	70	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	11	13	12	8	10
पवन दिशा (डिग्री)	70	70	100	70	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (16 से 22 जून) में ज्यादा बादल छाए रहे और 6.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 34.5 और 40.1 डिग्री सेल्सियस और 24.0 से 28.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा । सुबह 7.12 बजे सापेक्षिक आर्द्रता 67 से 89% और शाम 1412 बजे 40-59 % के बीच पाई गई। इस अवधि के दौरान हवा की गति 0.9 से 16.3 किमी प्रति घंटे तक थी जबकि हवा की दिशा अधिकतर उत्तर और उत्तर-उत्तर-पूर्व थी। पांच दिनों के पूर्वानुमान के अनुसार 24, 25 और 26 जून, 2023 को अलग-अलग स्थानों पर बिजली के साथ आंधी, बहुत तीव्र से अत्यधिक तीव्र बौछार और तेज़ हवा (हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे) होने की संभावना है। 23 जून को भी कुछ इस तरह की भविष्यवाणी मैदानी छेत्रों के कुछ स्थानों के लिए की गयी है । 23-28 जून तक हल्के से मध्यम वर्षा बारिश का अनुमान लगाया गया है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 30-37 डिग्री सेल्सियस और 24-25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हवा की गति 8-13 किमी प्रति घंटे के बीच रहेगी जबकि हवा की दिशा ज्यादातर पूर्व-उत्तर-पूर्व होने का अनुमान है। चेतावनी: 24, 25 और 26 जून के लिए रेड अलर्ट दिया गया है जब बिजली के साथ आंधी, बहुत तीव्र से अत्यधिक तीव्र बौछार और तेज़ हवा (गति: 40-50 किमी प्रति घंटे) होगी तथा 23 जून के लिए ऐसे ही हालात का ऑरेंज अलर्ट दिया गया है.

सामान्य सलाहकार:

23/06/2023 से 06/07/2023 तक विस्तारित सीमा पूर्वानुमान के अनुसार, उत्तराखंड जिले में सामान्य से -2 से -16% के बीच विचलन के साथ-साथ सामान्य वर्षा होने की सम्भावना है एनडीवीआई समग्र मानचित्र से पता चलता है कि भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त आंकड़ों से संकेत मिलता है कि एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच रहेगा जो जिले में मध्यम कृषि शक्ति का प्रतीक है। चूँकि बरसात का मौसम आ रहा है इसलिए किसानों को सलाहकार ऐप को डाउनलोड करने की सलाह दी जाती है। पिछले सप्ताह का मौसम, मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा बिजली की जानकारी पाने के लिए "दामिनी ऐप"। मेघदूत और

दामिनी ऐप को गूगल से डाउनलोड किया जा सकता है प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता)। इससे उन्हें उपयुक्त कृषि गतिविधियों के लिए सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

लघु संदेश सलाहकार:

24,25 और 26 जून को आंधी, बिजली, बहुत तीव्र से अत्यधिक तीव्र बौछार और तेज़ हवा (40-50 किमी प्रति घंटे) होने की संभावना है। ये हालात 23 जून को कुछ स्थानों पर हो सकते हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	स्टेज: नर्सरी नर्सरी तैयार करने के लिए उपचारित बीजों का उपयोग करें: उपचार करें बीजों को कार्बेन्डाजिम 50% डब्लू.पी. @ 2 ग्राम/किग्रा. नर्सरी तैयार होने के 12-15 दिन बाद 0.5% Zn So4 में 2% यूरिया मिलाकर डालें। नर्सरियों में गैप फिलिंग की जानी चाहिए। कृषि कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही किया जाना चाहिए।
मक्का	स्टेज : वसंत मक्का: तुड़ाई ख़रीफ़ मक्का: बुआई चूंकि वर्षा की भविष्यवाणी की गई है इसलिए मक्के को खराब होने से बचाने के लिए वसंत मक्के की तुड़ाई बारिश से पहले कर लेनी चाहिए। ख़रीफ़ मक्का की बुआई का सर्वोत्तम समय जून का दूसरा पखवाड़ा है। बीज बोना मक्का की क्लस्टर किस्में जैसे तरूण, नवीन, किरण, नवजोत, प्रताप मक्का-1, पूसा क्लस्टर 3 और 4. बीज दर 18-20 किग्रा/हेक्टेयर रखें और 60-75 सेमी की दूरी पर बोएं। कृषि गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
मूँगफली	स्टेज :बुआई मूंगफली की बुआई का सर्वोत्तम समय जून का दूसरा पखवाड़ा है। बुआई दर 70-75 किलोग्राम/हेक्टेयर होनी चाहिए, लाइन से लाइन की दूरी 30-45 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 10-20 सेमी होनी चाहिए। बीज का उपचार 2 ग्राम थियारम एवं 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम 50% डब्लू.पी. के मिश्रण से करना चाहिए। 5-6 घंटे बाद बीजों को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करना चाहिए। उपचारित बीजों को 2-3 घंटे तक छाया में सुखाना चाहिए और फिर सुबह 10 बजे या शाम 4 बजे बोना चाहिए।
सोयाबीन	स्टेज :बुआई सोयाबीन की बुवाई का भावर एवं तराई में उपयुक्त समय जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई प्रथम सप्ताह तक है। सोयाबीन की उन्नत प्रजातियों पी एस- 1024, पी एस- 1042, पी एस- 1092, पी एस 1241, पी एस 1347, पी एस 1225, पी एस 19 आदि का प्रयोग करें। बीज दर 75किग्रा/है0 रखें। बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लीची	स्टेज :तुड़ाई लीची को फटने से बचाने के लिए खेत में नमी बनाए रखनी चाहिए। तुड़ाई उचित रंग हो जाने पर करनी चाहिए।
कद्दू	स्टेज :तुड़ाई कद्दू की फसल में बेल सूखने की समस्या को नियंत्रित करने के लिए तुड़ाई करें तथा सूखी हुई बेल को नष्ट कर दें तथा जड़ों में कार्बेन्डाजिम 0.1% (1 ग्राम प्रति लीटर) की दर से घोल बनाकर सिंचाई करें। कोई भी कृषि गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
हल्दी	बुवाई के तुरंत बाद 125-150 कुंतल प्रति हेक्टर सूखी पत्तियों की पलवार बिछानी चाहिए। हल्दी छाया पसंद पौधा है और यह 50 % छाया देने से सबसे अधिक उपज करता है। सिंचाई आवश्यकता अनुसार करें क्यूंकि बारिश का पूर्वानुमान भी जारी किया गया है।
अदरक	अदरक की बुवाई के समय प्रकंदो को मिटटी से ढकने के बाद पलवार से ढकना आवश्यक है और इस पलवार की मोटाई 5-7 सेमी होनी चाहिए।
मिर्च	स्टेज: तुड़ाई मिर्च में थ्रिप्स के नियंत्रण हेतु लैम्डा साइहैलोथ्रिन 5 इसी 300मि0ली0/है0 या फिप्रोनिल 5 एस0सी0 1लीटर/है0 की दर से छिड़काव के सात दिन बाद ही मिर्च का प्रयोग करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
टमाटर	चरण: तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद रोग लगने की संभावना रहती है इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दें और रस-चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	के लिए सर्वद्देशीय कीटनाशकों का छिड़काव करें। झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव के लिए मैंकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम/लीटर को पानी में घोलें और छिड़काव करें। किसान भाइ ध्यान रखें कि छिड़काव मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए करना चाहिए।
भिण्डी	स्टेज: तुड़ाई किसानों को पहले से ही पका हुए ओकरा की मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार तुड़ाई करनी चाहिए। बारिश के बाद सफेद मक्खी का प्रकोप होने की संभावना रहती है जो मोज़ेक वायरस फैलाते हैं इसलिए किसानों को इन पर ध्यान देना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गर्मी के प्रकोप को कम करने हेतु पशुओं को ओरल जलीयकरण / घोल का सेवन करायें। पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें। उत्तराखंड जिले में मानसून का आगमन होने वाला है अतः मानसून की पहली बारिश में पशुओं को न भीगने दें ताकि उन्हें त्वचा सम्बन्धी विकार न हों।
भेंस	गर्मी के प्रकोप को कम करने हेतु पशुओं को ओरल जलीयकरण / घोल का सेवन करायें। पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें। उत्तराखंड जिले में मानसून का आगमन होने वाला है अतः मानसून की पहली बारिश में पशुओं को न भीगने दें ताकि उन्हें त्वचा सम्बन्धी विकार न हों।